भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4347
19 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

विषय: कृषि से संबंधित स्टार्टअप को बढ़ावा

4347. श्री धर्मबीर सिंहः

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने युवाओं में कृषि संबंधी स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण नवोन्मेष केन्द्रों की पहचान की है और यदि हां, तो ऐसे चिह्नित केन्द्रों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या ये केन्द्र कृषि उद्यानों को प्रारंभिक स्तर पर वित्तपोषण, तकनीकी परामर्श और विपणन सहायता प्रदान कर रहे हैं, यदि हां, तो ऐसी सहायता की संरचना और पैमाना क्या है;

(ग) क्या कृषि स्टार्टअप्स और कृषि विश्वविद्यालयों या कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) के बीच सहयोग की पहल शुरू की गई है, यदि हां, तो चालू सहयोग कार्यात्मक भागीदारियों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए भिवानी और चरखी दादरी जैसे आकांक्षी जिलों में ऐसे नवोन्मेषी केन्द्र कार्यरत रहे हैं; और

(ङ) क्या आवेदन, वित्तपोषण की सुविधा और वास्तविक समय प्रगति का पता लगाने के लिए समर्पित कृषि-स्टार्टअप पोर्टल उपलब्ध है, यदि हां, तो इस पोर्टल की कार्यात्मकता और कवरेज की जानकारी प्रदान की जाए?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) नवाचार और कृषि-उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएम-आरकेवीवाई) के अंतर्गत वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए, वर्ष 2018-19 से "नवाचार एवं कृषि-उद्यमिता विकास" कार्यक्रम का कार्यान्वयन कर रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत 5 नॉलेज पार्टनर्स (केपी) और 24 आरकेवीवाई कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटरों (आर-एबीआई) को चिह्नित किया गया है और उन्हें स्टार्टअप्स को कार्यान्वयन सहायता, प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने के लिए नियुक्त किया गया है। इन केपी और आर-एबीआई की सूची अनुबंध-I में दी गई है।

(ख) इस कार्यक्रम के अंतर्गत, चयनित स्टार्टअप्स को संबंधित केपी या आर-एबीआई के माध्यम से प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन, विपणन और वित्तपोषण सहायता प्रदान की जाती है ताकि वे अपने उत्पादों, सेवाओं, व्यावसायिक प्लेटफार्मों आदि को बाज़ार में लॉन्च कर सकें और व्यावसायिक व्यवहार्यता प्राप्त करने हेतु अपने उत्पादों और ऑपरेशंस का विस्तार कर सकें। चयनित स्टार्टअप्स को आईडिया/प्री-सीड स्टेज में 5 लाख रुपये तक और सीड स्टेज में 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(ग) केपी/आरएबीआई विभिन्न मेजबान विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके), अनुसंधान और आईसीएआर संस्थानों के साथ मिलकर उत्पाद सत्यापन, फील्ड ट्रायल, प्रौद्योगिकी प्रसार आदि के लिए स्टार्टअप्स का समर्थन करते हैं। संबंधित कृषि स्टेकहोल्डरों के साथ सहयोग करके स्टार्टअप्स को समर्थन देने की इन पहलों को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न फंक्शनल पार्टनरशिप स्थापित की गई है। इसके अंतर्गत, केवीके और संस्थान फील्ड ट्रायल आयोजित करके, प्रौद्योगिकी प्रसार को सुगम बनाकर और विस्तार गतिविधियाँ आदि चलाकर स्टार्टअप्स का समर्थन करते हैं। स्टार्टअप्स का समर्थन करने के लिए केपी और आर-एबीआई की केवीके/विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ इन फंक्शनल पार्टनरशिप /कोलेबरेशन की संख्या अनुबंध-II में दी गई है।

(घ) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, भिवानी और चरखी दादरी जैसे आकांक्षी जिलों सहित हरियाणा के स्टार्टअप्स/उद्यमियों तक पहुँच बनाने के लिए एक आर-एबीआई है। इसके अतिरिक्त, स्टार्टअप इस कार्यक्रम के तहत स्थापित 5 केपी से भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। प्राथमिक इन्क्यूबेशन सुविधाएँ हिसार में स्थित हैं और हरियाणा के केवीके के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रमों, वर्चुअल मेंटरिंग, क्षमता निर्माण कार्यशालाओं और फील्ड डेमॉन्सट्रेशन के माध्यम से नवप्रवर्तकों को शामिल किया जाता है।

(ङ) स्टार्टअप्स के लिए केंद्रीय स्तर पर एक समर्पित पोर्टल (https://agristartup.gov.in/) विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, संबंधित केपी और आर-एबीआई की अपनी वेबसाइटें हैं जिनका उपयोग आवेदनों के विज्ञापन, जारी निधि की निगरानी करने, व्यय और उपयोग, स्टार्टअप प्रगति रिपोर्ट आदि के लिए किया जाता है। स्टार्टअप्स के लिए प्राप्त स्वीकृतियाँ, निधियों के वितरण के लिए पोर्टल पर अपलोड की जाती हैं।

अनुबंध-I

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा नियुक्त देश भर में 5 ज्ञान साझेदारों (केपी) और 24 आरकेवीवाई-कृषि व्यवसाय इनक्यूबेटरों (आर-एबीआई) की सूची निम्नानुसार है:

I. 5 नॉलेज पार्टनर्स (केपी):

(1) राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंधन संस्थान (मैनेज), हैदराबाद,
(2) *राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान* (एनआईएएम) जयपुर,
(3) *भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान* (आईएआरआई) पूसा, नई दिल्ली,
(4) कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक और
(5) असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम

II. 24 आरकेवीवाई कृषि व्यवसाय इनक्यूबेटर (आर-एबीआई):

1) चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, हिसार, हरियाणा
2) सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश
3) आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
4) जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर, मध्य प्रदेश
5) आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली, उत्तर प्रदेश
6) पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब
7) इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़
8) शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर
9) आईआईएम, काशीपुर, उत्तराखंड
10) केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल
11) आईसीएआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मिलेट्स रिसर्च, हैदराबाद, तेलंगाना
12) तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), कोयंबटूर, तमिलनाडु
13) कृषि नवाचार और उद्यमिता प्रकोष्ठ, एएनजीआरएयू, आंध्र प्रदेश
14) राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक, ओडिशा
15) एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर, राजस्थान
16) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
17) बिहार कृषि विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
18) आनंद कृषि विश्वविद्यालय, आनंद, गुजरात
19) आईसीएआर-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र
20) डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला, महाराष्ट्र
21) आईसीएआर-निवेदी, बेंगलुरु, कर्नाटक
22) कॉलेज ऑफ फिशरीज, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा
23) वेटरनरी मेडिसिन कॉलेज ऑफ वेटरनरी साइंसेज एण्ड एनीमल हस्बैंड्री, मिजोरम
24) कॉलेज ऑफ हॉर्टीकल्चर एण्ड फॉरेस्ट्री, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश।

अनुबंध-II

स्टार्टअप्स को सहायता देने के लिए केवीके/विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ केपी और आर-एबीआई की फंक्शनल पार्टनरशिप/कोलैबोरेशन का विवरण

क्रम संख्या	**केपी/आर-एबीआई का नाम**	**फंक्शनल पार्टनरशिप की संख्या**
1	नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन मैनेजमेंट(मैनेज), हैदराबाद (केपी)	8 राज्यों में 8 विश्वविद्यालय
2	*भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान* (आईएआरआई) पूसा, नई दिल्ली (केपी)	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), कानपुर, उत्तर प्रदेश
3	असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट (केपी)	असम के 23 जिलों में 23 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके)।
4	कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक (केपी)	1 केवीके, सिरसी, कर्नाटक
5	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना, पंजाब (आर-एबीआई)	पंजाब में 18 केवीके
6	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़	छत्तीसगढ़ में 28 केवीके 2 संस्थान (आईआईटी, कानपुर और आईआईएम, कलकत्ता)
7	शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू और कश्मीर	जम्मू क्षेत्र में 9 केवीके
8	सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश	हिमाचल क्षेत्र के 8 केवीके
9	भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), काशीपुर, उत्तराखंड	5 केवीके 3 विश्वविद्यालय
10	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बीएचयू, वाराणसी, उत्तर प्रदेश	1 विश्वविद्यालय
11	आईसीएआर-केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र	1 राज्य विश्वविद्यालय - महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ (एमपीकेवी), राहुरी, महाराष्ट्र
12	बिहार कृषि विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार	22 केवीके

****